माननीय राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का टेलेंट हंट-2013 के विजेताओं के पुरस्कार वितरण समारोह में उद्‌बोधन

स्थान :- भोपाल, दिनांक :- 11 जून, 2013 समय :- दोपहर 11:30 बजे

पटेल ग्रुप आफ इंस्टिटयूशन्स द्‌वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित टेलेंट हंट-2013 प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लेते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। 12वीं कक्षा में मेरिट लिस्ट में आये मेधावी छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का यह प्रयास वास्तव में सराहनीय और प्रेरणादायी है।

मैं विजेता छात्र-छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और जो छात्रछात्राएं इस बार विजेता होने से चूक गये हैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे निराश न हों और हिम्मत और हौसले के साथ अपनी मेहनत जारी रखें। अभी तो शुरूआत है आगे आपको कई परीक्षाओं और प्रतियोगिताओं में भाग लेना है।

देश में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं की बहुत आवश्यकता है। विश्व स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में हो रही प्रगति को दृष्टिगत रखकर हम देखें तो हमारे देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है। हमारे देश में हायर सेकेंडरी पास करने के बाद सिर्फ सात प्रतिशत छात्र ही उच्च शिक्षा में प्रवेश लेते हैं, जबकि विकासशील देशों में इससे कई गुना अधिक छात्र उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यह बड़ी गंभीर चिंता का विषय है।

आज हम जब अपने इतिहास की और नजर डालते हैं तो हमें उस पर गर्व होता है। हमारा देश शिक्षा के क्षेत्र में विश्व गुरू का दर्जा रखता था। परन्तु आज जब हम सर्वे रिपोर्टों को देखते हैं तो निराशा होती है। आज हमारे देश में एक भी विश्वविद्‌यालय विश्व स्तर का नहीं है। पहले नालंदा तथा तक्षशिला जैसी शिक्षण संस्थाओं में लोग विदेश से शिक्षा ग्रहण करने आते थे।

आज तकनीक और प्रौद्‌योगिकी का युग है। इस कारण हम अन्य देशों से पिछड़ रहे थे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने तकनीक और टेकनालॉजी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी। आज उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि हमारे देश में छात्र-छात्राएं तकनीक और प्रौद्‌योगिकी के

क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। अभी भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भौतिक अधोसंरचना विस्तार के साथ नवाचार की संस्कृति के विकास और गुणवत्ता की आवश्यकता है।

छात्रों से मैं कहना चाहूंगा कि वे परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद बैठें नहीं। वे हर दिन और हर समय सीखते रहने का संकल्प लें। आपकी शिक्षा पर समाज और आपके माता-पिता ने जो खर्च किया है उसका पूरा-पूरा उपयोग अपने ज्ञान प्राप्ति में और उसे निरंतर विस्तार देने में करें। अपने छोटों और आस-पास के छात्रों को भी आगे शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करें। आपसे समाज और देश को बहुत उम्मीदें हैं। समाज और देश का विकास आपके भविष्य पर ही निर्भर है। देश के विकास में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

हमारे प्रदेश और देश में आईआईटी, प्रौद्योगिक तथा अन्य शिक्षण संस्थानों की कमी नहीं है। हमारे पास सक्षम संस्थानों के योग्य युवा और प्रतिभावान छात्र-छात्रायें हैं, जिन पर देश को पूरा भरोसा है। आवश्यकता देश के विकास के लिए उच्च शिक्षा में मजबूत अधोसंरचना की है।

आज जीवन और समाज के प्रत्येक क्षेत्र में नैतिक मूल्यों में गिरावट आ रही है। शिक्षण संस्थाओं और शिक्षकों को इस ओर ध्यान देना होगा। बढ़ रहे नैतिक पतन और सामाजिक मूल्यों में आ रही गिरावट को रोकने के लिए शिक्षण संस्थानों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को संयुक्त रूप से अभियान चलाना चाहिए। हमें अपने छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को उभारने, प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनमें देशभक्ति, दायित्वों के निर्वाह, जिम्मेदारियों की समझ, जीवन में सच्चाई, ईमानदारी और अनुशासन तथा कर्तव्य परायणता आदि की भावनाओं को बढ़ाना होगा।

स्वर्गीय राजीव गांधी ने तकनीकी क्षेत्र में राष्ट्र को पूर्णत: समर्थ एवं समृद्ध करने का जो सपना देखा था वह तकनीकी संस्थायें अच्छी शिक्षा देकर अच्छे योग्य इंजीनियर तैयार कर पूरा करें ताकि देश का सम्पूर्ण विकास एवं उत्थान हो सके।

प्रतिभाओं का सम्मान वास्तव में सम्पूर्ण शिक्षा जगत का सम्मान है। विद्यार्थियों में ज्ञानार्जन की जिज्ञासा का उत्कृष्ट शिक्षा संस्थानों में ही परिमार्जन होता है। यह समय ज्ञान आधारित अर्थ-व्यवस्था का युग है। इस दृष्टि से ज्ञान को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने की नितांत आवश्यकता है।

इस अवसरपर शिक्षाविदों, शिक्षकों और शिक्षा प्रबंधन से आग्रह करना चाहूंगा कि आपस में मिलजुलकर कार्य करें। विधार्थियों की क्षमता और कौशल के समुचित विकास पर ध्यान केन्द्रित करें। तभी विद्यार्थियों को समाज में सम्मान मिलेगा।

मैं एक बार पुन: विजेता छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देता हूं और संस्थान को बधाई देता हूं जिसने यह प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया है।

जय हिन्द।